

Ordinance No.- 11

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व अध्ययशाला
विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन म.प्र.

Ph.D. Pre- Entrance Syllabus
Ancient Indian History, Culture & Archaeology
Section- A Research Methodology
Section- B AIHC & Archaeology

Total Marks : 100

Section – A

Marks : 50

रिसर्च मैथडोलॉजी

Research Methodology

1. विज्ञान और वैज्ञानिक पद्धति

सहज बुद्धि एवं विज्ञान, विज्ञान की अवधारणा, विज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति, वैज्ञानिक पद्धति के सौपान, विज्ञान के प्रकार, विशुद्ध और व्यावहारिक विज्ञान का सम्बन्ध, सामाजिक अनुसंधान में वैज्ञानिक पद्धति के प्रयोग की समस्या, राजनीतिक अन्वेषण की प्रकृति,

सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक शोध – सामाजिक अनुसंधान एवं अन्वेषण, सामाजिक अनुसंधान के उद्देश्य, सामाजिक यथार्थ एवं अनुसंधान की प्रकृति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, सामाजिक अनुसंधान के प्रारूप, सामाजिक अनुसंधान की प्रक्रिया व चरण, सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं प्रयोग, सर्वेक्षण तथा अनुसंधान में समानताएँ, सर्वेक्षण तथा अनुसंधान में भिन्नताएँ, सिद्धान्त एवं अनुसंधान के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध, सामाजिक प्रघटना के अध्ययन में पद्धतिशास्त्रीय समस्याएँ, सामाजिक शोध, सामाजिक शोध के उद्देश्य, सामाजिक शोध की प्रकृति, सामाजिक शोध का अध्ययन क्षेत्र, सामाजिक शोध के प्रकार, सामाजिक शोध की आधारभूत मान्यताएँ, सामाजिक शोध के प्रमुख कारक, वैज्ञानिक शोध के प्रमुख चरण, सामाजिक शोध की उपयोगिता

Science and scientific Method- Common sense and science, Concept of science, Characteristics of Science, Scientific Method, Steps of

(Handwritten signature)

Scientific Method, Types of Science, Relationship of pure and applied Science, Problem of use of Scientific Method in Social Research, Nature of political enquiry.

Social Investigation & Social Research- Social investigation and enquiry, Objects of Social Investigation, Nature of Social Reality and investigation, Types of Social Investigation, Models of Social investigation, Process and steps of Social Investigation, Survey, Investigation and Experiment, Similarities between survey and investigation, Differences between survey and investigation, Relationship between theory and investigation, Methodological problems in the study of Social Phenomena, Social Research, Objects of Social Research, Nature of Social Research, Scope of Social Research, Types of Social Research, Basic Assumptions of Social Research, Motivating Factors of Social Research, Major steps In Social Research, Utility of Social Research.

2. अनुसंधान समस्या : चयन एवं पहचान

समस्या का चयन एवं उसकी परिभाषा, अनुसंधान-समस्याओं के स्रोत, अनुसंधान की समस्याओं के लक्षण, समस्या की पहचान अथवा निर्वचन, परिस्थिति विश्लेषण अथवा क्षेत्र निर्धारण, उद्देश्यों का निर्धारण

प्रतिरूप, पैराडाइम एवं सिद्धान्त- निर्माण- मॉडल या प्रतिरूप, प्रतिरूप का अर्थ एवं परिभाषा, प्रतिरूप की विशेषतायें, सामाजिक शोध के प्रतिरूप की उपयोगिता, प्रतिरूप की सीमाएँ, सामाजिक अनुसंधान के प्रतिरूप, प्रमुख समाज-विज्ञानीय प्रतिरूप, पैराडाइम, पैराडाइम का अर्थ एवं परिभाषा, पैराडाइम का महत्व एवं उपयोगिता, समाजशास्त्र में प्रकार्यात्मक विश्लेषण के लिए एक पैराडाइम, पैराडाइम एवं प्रतिरूप, सिद्धान्त-निर्माण, सिद्धान्त का अर्थ एवं परिभाषा, सिद्धान्त की विशेषताएँ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त की संरचना, सिद्धान्त निर्माण के तत्व या रचना स्तम्भ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त निर्माण की प्रक्रिया, सामाजिक विज्ञानों में सिद्धान्त निर्माण, सिद्धान्त निर्माण के क्षेत्र में आने वाली प्रमुख समस्याएँ

Research problem : Selection & Identification- Selection of Problem and its definition, Sources of Research Problems, Characteristics of

the problem of Research, Identification and interpretation of problem, The situation analysis & Determination of field, Determination of Objects.

Model, Paradigm & Theory building- Models, Meaning and definitions of Models, Characteristics of models, importance of model in social research, Limitations of model, Models in Social Research, Main Socio-Scientific model, Paradigm, Meaning and definition of paradigm, Importance and utility of paradigm, A paradigm for functional analysis in Sociology, Paradigm and Model, Theory, Building, Meaning and definition of Theory, Characteristics of Theory, Structure of Sociological Theory, The elements or building blocks of theory building, Process of building of Sociological Theories, Theory building in Social Sciences, Major problems in the theory buildings.

3. अनुसंधान अभिकल्प एवं ऐतिहासिक पद्धति—

अनुसंधान प्ररचना का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अनुसंधान प्ररचना की विशेषताएँ, अनुसंधान प्ररचना की विषय-वस्तु, अनुसंधान प्ररचना के चरण, अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, अनुसंधान प्ररचना का वर्गीकरण या प्रकार, प्रतिपादनात्मक अथवा अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना, अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना की विधियाँ, विवरणात्मक अथवा निदानात्मक अनुसंधान प्ररचना, विवरणात्मक अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, वर्णनात्मक अनुसंधान प्ररचना के चरण, निदानात्मक अनुसंधान प्ररचना, प्रयोगात्मक अनुसंधान प्ररचना, प्रयोगात्मक अनुसंधान प्ररचना के प्रकार, प्रयोगात्मक अभिकल्प की आलोचना, अन्वेषणात्मक अथवा निरूपणात्मक शोध प्ररचना

ऐतिहासिक पद्धति— ऐतिहासिक पद्धति की अनिवार्य आवश्यकताएँ, ऐतिहासिक अनुसंधान की समस्याएँ, ऐतिहासिक तथ्यों के स्रोत, ऐतिहासिक पद्धति के प्रयोग में सावधानियाँ व प्रमुख चरण, ऐतिहासिक पद्धति का महत्व, ऐतिहासिक पद्धति की सीमाएँ

Research Design and Historical Method- Meaning and definitions of research design, Characteristics of research design, Subject matter of research design, Steps of research design, Objects of research design, Classification or types of research design, Formulative of exploratory

research design, Objects of exploratory research design, methods of exploratory research design, Descriptive or Diagnostic research design, objects of descriptive research design, Steps of descriptive research design, Diagnostic Research design, Experimental Research Design, Types of Experimental research design, Criticism of experimental design, Exploratory or Formulative research Design.

Historical Method- Sources of historical Datas, Importance of Historical Method, Limitations of Historical Method

4. क्रियात्मक शोध एवं अवधारणाओं का निर्माण

क्रियात्मक शोध की विशेषताएँ, क्रियात्मक शोध के चरण, क्रियात्मक शोध के लाभ, क्रियात्मक शोध के दोष, अवधारणा का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अवधारणा की विशेषताएँ, अवधारणाओं का निर्माण, सामाजिक अनुसंधान में अवधारणा का महत्व, अवधारणाओं के सम्प्रेषण की समस्या, अवधारणीकरण, अवधारणीकरण के नियम, पुनर्अवधारणीकरण, अवधारणाओं का वर्गीकरण

निदर्शन— निदर्शन का अर्थ एवं परिभाषा, निदर्शन के आधार एवं विशेषताएँ, निदर्शन की अनिवार्य अवधारणाएँ, निदर्शन का आयोजन, एक श्रेष्ठ अथवा प्रतिनिधिपूर्ण निदर्शन की विशेषताएँ, निदर्शन के प्रकार, स्तरीकृत निदर्शन के लाभ अथवा महत्व एवं हानियाँ, निदर्शन की प्रमुख समस्याएँ एवं उनके उपाय

Action research and Formation of Concepts- Meaning and definitions of Concepts, Characteristics of Concept, Construction of Concepts, Importance of Concept in Social Research, Problem of Communication of Concepts, Conceptualization, Rules of Conceptualization, Re-Conceptualization, Classification of Concepts.

Sampling- Meaning and definition of sampling, Basis and Characteristics of sampling, Essential Concepts of sampling, Planning of sampling, Characteristics of a Good and Representative sampling, Types of sampling, Advantages and Disadvantages of stratified sampling, Main problem of sampling and their solutions.

5. उपकल्पना

वाक्य-विन्यास, चर, परिभाषा, स्वयं-सिद्धियाँ, मान्यताएँ एवं उपकल्पनाएँ, उपकल्पना का अर्थ एवं परिभाषा, उपकल्पनाओं के आयाम या विमितियाँ, उपकल्पनाओं के उद्गम-स्रोत, उपकल्पनाओं का विकास, उपकल्पनाओं के प्रकार, उपकल्पना का परीक्षण, सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व एवं उपयोगिता, श्रेष्ठ उपकल्पना की विशेषताएँ, उपकल्पना निर्माण में कठिनाईयाँ, सिद्धान्त रचना में उपकल्पना की भूमिका

आँकड़ों का संकलन- आँकड़ों का अर्थ एवं परिभाषा, आँकड़ों के संकलन का महत्व, आँकड़ों के स्वरूप अथवा प्रकार, प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों में अन्तर, आँकड़ों के स्रोत, व्यक्तिगत प्रलेखों का महत्व या उपयोगिता, व्यक्तिगत प्रलेखों की सीमाएँ, द्वितीयक स्रोत द्वारा संकलित सामग्री का महत्व, द्वितीयक सामग्री के दोष या सीमाएँ

आँकड़ों का संकलन (प्रविधियाँ) - प्रश्नावली, प्रश्नावली का अर्थ एवं परिभाषाएँ, प्रश्नावली के प्रकार, प्रश्नावली के निर्माण में सावधानियाँ, प्रश्नावली की प्रकृति, एक अच्छी प्रश्नावली की विशेषताएँ

तथ्य तथा सिद्धान्त : परिभाषा एवं अन्तः सम्बन्ध- तथ्य तथा सिद्धान्त, तथ्य एवं सिद्धान्त अन्तः सम्बन्ध, सिद्धान्त तथा तथ्य : इनकी भूमिकाएँ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त और अन्वेषण में पारस्परिक अन्तः सम्बन्ध, पद्धति तथा सामाजिक सिद्धान्त के सम्बन्ध, वैज्ञानिक समाजशास्त्र में सिद्धान्त एवं अनुसंधान

प्रक्षेपीय प्रविधियाँ- प्रक्षेपण क्या है?, प्रक्षेपण की प्रकृति एवं विशेषताएँ, प्रक्षेपीय प्रविधियों की विशेषताएँ, प्रमुख प्रक्षेपीय प्रविधियाँ

अन्तर्वस्तु विश्लेषण- अन्तर्वस्तु विश्लेषण प्रविधि का अर्थ एवं परिभाषा, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की विशेषताएँ, अन्तर्वस्तु विश्लेषण के कारण, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की श्रेणियाँ, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की ईकाईयाँ, ईकाईयों का अन्तर्सम्बन्ध, अन्तर्वस्तु विश्लेषण के चरण, अन्तर्वस्तु विश्लेषण का मूल्यांकन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की प्रमुख समस्याएँ

कम्प्यूटर एवं अनुसंधान- कम्प्यूटर व कम्प्यूटर तकनीक, कम्प्यूटर की संरचना, कम्प्यूटर का अनुसंधान में प्रयोग, इन्टरनेट व अनुसंधान

Hypothesis- Constructs, Variables, Definition, Postulates, Assumptions and Hypothesis, Meaning and Definition of Hypothesis, Dimensions of Hypothesis, Sources of Hypothesis, Development of Hypothesis, Types of Hypothesis, Testing of Hypothesis, Importance of Hypothesis in Social Research, Characteristics of Good

Hypothesis, Difficulties in Formulation of Hypothesis, Rule of Hypothesis in Theory Building

Collection of Data - Meaning and definition of Data, Importance of Collection of Data, Forms or types of Data, Difference Between primary & Secondary Data, Sources of Data, Importance or Utility of personal Documents, Limitations of personal Documents, Importance of Secondary Sources, Limitations of Secondary Sources, Questionnaire, Meaning and definition of questionnaire, Types of Questionnaire, Precautions in constructing questionnaire, nature of the questionnaire, features of a good questionnaire

Fact and Theory : Definition & inter relations- Fact and theory, fact and theory inter relationship, Theory & Fact : Their role

Projective Techniques- What is projection?, Nature & Features of projection, Features of Projective Technique, Main Projective Techniques

Content Analysis- Meaning & Definition of Content analysis, Features of content analysis, reasons of content analysis, Divisions of content analysis, Units of content analysis, relationship of Units, steps of content analysis, Conclusion of content analysis, Problems of content analysis

Computer and research- Computer Technique

Section- B Ancient Indian History, Culture & Archaeology

Marks- 50

ईकाई – 1

इतिहास की परिभाषा, क्षेत्र, स्रोत, हड़प्पा एवं ताम्रशाहीय संस्कृतियाँ, वैदिक युग, देशज उदभव, विकास, महाजनपद युग, मगध का उत्कर्ष। मौर्य वंश, चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक, शुंग-पुष्यमित्र, सातवाहन, गौतमीपुत्र सातकर्णी, कुषाण नरेश कनष्कि, शक संवत्। गुप्तवंश- चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, रामगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त, प्रभावती गुप्ता, गुप्त वाकाटक संबंध, मौखरीवंश-ईशानवर्मा

Definition and scope of history, Sources, Harappan and Chalcolithic cultures, Vedic Age date, Indigenious Origin and development. Mahajanpada age, Rise of Magadha empire, Maurya Dynasty, Chandragupta Maurya and Ashoka, Shunga- Pushyamitra, Satvahanas- Gautamiputra Satkarni, Kanishka king of Kushana and Shak Samvat, Gupta Dynasty- Chandragupta-I Samudragupta, Ramgupta, Chandragupta-II, Kumargupta, Skandgupta, Prabhavgupta and Gupta Vakataka relation, Maukhari—Ishanverma

ईकाई- 2

पुष्यभूति राजवंश- हर्ष, राजपूतों का उदय, प्रतिहार- नागभट्ट द्वितीय, मिहिर भोज, कल्चुरि- गांगेयदेव, लक्ष्मीकर्ण, चंदेल-यशोवर्मन एवं धंग, पाल-धर्मपाल, त्रिकोणात्मक संघर्ष, परमार-भोज, गहड़वाल-जयचन्द्र, गोविन्द्रचन्द्र, चाहमान-पृथ्वीराज तृतीय। वैयक्तिक एवं सामाजिक उत्कर्ष हेतु चिन्तन- आश्रम व्यवस्था, संस्कार, विवाह-उद्देश्य एवं प्रकार, पुरुषार्थ चतुष्टय एवं मानव मूल्यों के संबर्धन में पुरुषार्थ की भूमिका। त्रि-ऋण, पंच-महायज्ञ, उपनयन एवं समावर्तन (दीक्षा) में मानव मूल्य, विविध भारतीय धर्मों शैव, वैष्णव, शाक्त, बौद्ध एवं जैन धर्म की शिक्षाओं में मानव मूल्यों के तथ्य।

Pushyabhuti dynasty- Harsha, Origin of Rajputas, Pratiharas- Nagbhata-li Mihirbhoja, Kalchuris- Gangeyadeva and Laxmikarna, Chandella- Yashoverman and Dhang, Palas- Dharmapal. Parmaras- Bhoja, Gahadvala- Govind Chandra and Jaichandra, Chahmana- Prithviraj-III, Thoughts for personal and social elevation- Ashram system, Sanskaras, Marriage- aims and types, Purushartha chatustaya and role of purushartha in upliftment of human values, Tri-Rina, Panchmahayajna, Human values during teaching (Diksha) in upnayan and

Samapvartan. Elements of Human values in the teaching of Indian Religious- Shaiva, Vaishnava, Shakta, Jain and Buddha.

ईकाई- 3

भारत में लेखन कला का उद्भव एवं विकास, लेखन सामग्री भारतीय इतिहास के पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व, अशोक के अभिलेख-द्वितीय एवं बारहवां शिलालेख। निम्न अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व- हेलियोडोरस का बेसनगर स्तंभलेख, रुद्रदामन का जूनागढ़, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, यशोवर्मन और धंग का खजुराहों अभिलेख। विरासत का अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्व, मध्यप्रदेश की चित्रकला- भीमबैठका, बाघ, चतुर्भुजनाला (भानपुरा), गड्डी एवं हनुमान गढ़ी के शैलचित्र पंचमढ़ी के शैलचित्र। शैलोत्कीर्ण स्थापत्य- बाघ की स्थापत्य कला, उदयगिरि (विदिशा)

Origin and development of art of writing in India, Writing materials, importance of inscription in the reconstruction of Indian History- Ashokan inscriptions- second and twelfth rock edicts, Historical importance of following inscriptions- Besanagar pillar inscription of heliodorus, Junagarh inscription of Rudradaman, Hathigumpha inscription of Kharvela. Allahabad pillar inscription of Samudragupta, Khajuraho inscription- Yashovarman and Dhang, Meaning and definitions of heritage, types of heritage and importance of heritage, paintings of Madhya Pradesh- Bhimbetka, Bagh, Chaturbhujnala (Bhanpura) rock paintings of Gaddi and Hanumana, Rock paintings of Panchmari, Rockcut architecture- Architecture of Bagh Caves, Udaigiri (Vidisha)

ईकाई- 4

मध्यप्रदेश के प्रमुख स्थापत्य, स्तूप- वैश्यटेकरी महास्तूप (उज्जैन), भरहुत एवं साँची, देउकोठार, मानपुर का बेलनाकार स्तूप, मंदिर स्थापत्य, उद्भव एवं विकास, प्रारम्भिक मंदिर, साँची- 17, स्थापत्य, तिगवा, भूमरा का शिव मंदिर, नचना और पार्वती मंदिर, बेला का बैजनाथ मंदिर, मध्यप्रदेश के समीपवर्ती- देवगढ़ का दशावतार मंदिर। प्रतिहार स्थापत्य- तेली का मंदिर (गवालियर), कल्चुरि स्थापत्य- चन्द्रेह (सीधी) का शिव मंदिर एवं सोहागपुर का विराटेश्वर मंदिर, चंदेल स्थापत्य-खजुराहों का कंदरिया महादेव मंदिर तथा लक्ष्मण मंदिर, परमार स्थापत्य- उदयेश्वर का नीलकण्ठेश्वर मंदिर।

Important architecture of Madhya Pradesh, Stupa- Mahastupa of Vaishya Tekri (Ujjain) Bharhuta, Sanchi, Deurkothar, Cylindrical types stupa of Manpur (Umaria) templs Architecture – Origin and development, early temples- Sanchi no. 17, temples of Tigwa, Shiv temples of Bhumra, Parvati temple of Nachana,

Baljnath temple of Bela, Dashavtar temples of Deogarh (Adjoining of Madhya Pradesh), Pratihara architecture- Teli ka Temple of Gwalior, Kalchuri architecture- Shiv temple of Chandreh (Sidhi), Virateshwar temple of Sohagpur. Chandela Architecture- Kandaria Mahadev temple and Lakshman temple of Khajuraho, Parmar architecture- Neelkantheshwar temple of Udaishwar.

ईकाई— 5

मध्यप्रदेश का मूर्तिशिल्प— भरहुत एवं साँची के मूर्तिशिल्प में जीवन दृश्य, गुप्तकालीन मूर्तिकला— विशेषताएँ एवं महत्त्व, प्रतिहारकालीन मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ, कल्युगि मूर्तिकला का क्रमिक विकास एवं लक्षण, चंदेल मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ, परमार मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ। प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य श्रेणी, प्राचीन भारत के प्रमुख व्यापारिक केन्द्र, पाटलिपुत्र, गांधार, तक्षशिला, काशी, मथुरा, अवन्ति, श्रावस्ती, भड़ौच, यातायात के साधन।

Sculptures of Madhya Pradesh- Life scene in the art of Bharhut and sanchi, Gupta Sculptures- importance and salient features, Chief characteristics of pratihara sculptures. Characteristics and salient features of Kalchuri sculptures. Chief characteristics of Chandella sculpture. Chief characteristics of parmar sculpture, Trade and commerce in ancient India, Guilds, Important trade centres of ancient India- Patliputra, Gandhar, Taxila, Kashi, Mathura, Avanti, Shravasthi, Baruch and mode of transport in ancient India.